वैश्विक शिखर सम्मेलन में देश-विदेश से पहुंची नामी-ग्रामी हस्तियाँ

भारत में जो आध्यात्मिक शक्ति है वो विश्व में कहीं और नहीं: रेलमंत्री

आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शान्तिवन में शुक्रवार से वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत सहित चीन, जर्मनी, नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया के अपने-अपने क्षेत्र के विद्वानों ने भाग लिया। एकता विश्वास-आदर्श भविष्य के लिए प्रेरणा विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए भारत सरकार के केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुझे माउंट आबू आने का बहुत मन था, लेकिन किसी कारणवश पहुंच नहीं पाया। मैं राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। विश्व में बड़ा बदलाव है कि आज परहित की भावना टूट चुकी है। सब स्वार्थ से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत में आध्यात्मिक शक्ति है जो विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलती है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि हमारे मन में एक मिनट में कितने तरह के विचार आते हैं उसमें बहुत से नकारात्मक विचार भी होते हैं। यहाँ हम सभी इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा, दैवी गुणों की धारणा और सेवा भाव सीखते हैं। विश्व की सभी-आत्माओं के रचयिता एक परमपिता शिव परमात्मा है। सभी आत्माओं के मूल गुण- शान्ति, प्रेम, पवित्रता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि संकल्प बीज है। हमारे संकल्प जितने शक्तिशाली, शुद्ध, सात्विक, पवित्र और सकारात्मक होते हैं, आत्मा उतनी ही शक्तिशाली बनती है। और साथ ही उन्होंने विश्वभर से आये प्रतिनिधियों को राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से गहन

शान्ति की अनुभूति कराई। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। सांसद बीवाई राघवेन्द्र,शिमोगा,कर्नाटक ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा करना हम सभी का दायित्व है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से लोगों का जीवन शान्तिमय बना रही है। कर्नाटक सरकार के आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर ने कहा कि आज समाज को आध्यात्मिक ज्ञान और मेडिटेशन की बहुत आवश्यकता है।

ब्रह्माकुमारीज़ चरित्र निर्माण का काम कर रही है

आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत में चरित्र निर्माण पर ध्यान व ज़ोर दिया जाता है और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान चरित्र निर्माण का काम कर रहा है। इस ग्लोबल समिट से एक मिशन लेकर जायेंगे तो नए भारत का उदय दिखाई देगा।

इंडिया वन सोलार थर्मल पॉवर प्लांट बना मिसाल

पर्यावरणविद् एवं ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. गोलो जे. पिल्ज,जर्मनी ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा देश-विदेश पर्यावरण के क्षेत्र में जन जागरूकता लाने के लिए अनेक अभियान चलाया गया। मृदा संरक्षण और प्राकृतिक खेती का बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार और जर्मन सरकार के सहयोग से इंडिया वन सोलार थर्मल पॉवर प्लांट स्थापित किया गया है, जो नवीनीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मिसाल बना हुआ है।

इन्होंने भी किया सम्बोधित

- वरिष्ठ सम्पादक एवं एंकर मीनाक्षी जोशी ने कहा कि एकता और विश्वास यह दो शब्द ही समाज के कल्याण की धुरी है। एकता का एक ही सूत्र है अध्यात्म। जब हम स्वयं को ईश्वर के साथ जोड़ेंगे तो स्वयं के साथ अनेकों में एकता और विश्वास ला सकते हैं।
- नेपाल के गायक आनंद कार्की ने कहा कि मेडिटेशन का कमाल है कि मेरे दिमाग में सदा सकारात्मक सोच ही रहती है।
- ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि परमात्मा शिवबाबा के आशीर्वाद से आज ये सुंदर आयोजन हो रहा है। इसमें देश-विदेश से आये सभी महानुभावों का मैं भगवान के घर में हृदय से अभिनंदन करता हूँ। यहाँ से आप सभी को जीवन में नई दिशा और प्रेरणा मिले, यही शुभभावना है।
- वरिष्ठ पत्रकार दीप्ति कोठारी,जयपुर, राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी और ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इन्हें किया गया पुरस्कृत

- समाचार पत्र के माध्यम से जन सरोकारी पत्रकारिता, सामाजिक जागरुकता, जन सरोकारी मुद्दों के माध्यम से जन-जन की आवाज़ बनने पर राजस्थान पत्रिका समूह के सम्पादक गुलाब कोठारी को ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से राष्ट्र चेतना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गुलाब कोठारी के प्रतिनिधि के रूप में राजस्थान पत्रिका समूह की निदेशक दीप्ति कोठारी ने ग्रहण किया।
- मध्यप्रदेश के सागर के प्राकृतिक खेती प्रशिक्षक एवं सामाजिक सुधारक आकाश चौरसिया को उनके द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गार्डियन ऑफ ह्यूमैनिटी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही केरल के महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के फैकल्टी केवी दयाल को ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए गार्डियन ऑफ ह्यूमैनिटी अवॉर्ड से नवाजा गया।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से समाज में योग के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने में सराहनीय योगदान पर इंडिया टीवी की वरिष्ठ सम्पादक एवं एंकर मीनाक्षी जोशी को राष्ट्र चेतना पुरस्कार से नवाजा गया।

बिना विवेक के न्याय केवल एक मशीन की तरह है- जस्टिस पुष्करना

गुरुग्राम-ओआरसी(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन में दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश मिनी पुष्करना ने कहा कि विज़डम का अर्थ सबके प्रति प्यार और करुणा का भाव है। न्याय बिना विवेक के एक मशीन की तरह है और विज़डम बिना न्याय के दिशा रहित है। न्याय हमें आश्वस्त करता है। न्याय के लिए कानून ही नहीं बल्कि प्यार और करुणा भी ज़रूरी है। न्याय का अर्थ पर्यावरण के साथ संतुलन बनाए रखना है। ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि हमारी संस्कृति में विज़डम का स्थान सर्वोपरि रहा है। भारत आध्यात्मिकता में विश्व गुरु है। आंध्र प्रदेश,उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य

न्यायाधीश वी. ईश्वरैया ने कहा कि न्याय का अर्थ सच्चाई और विश्वास है। उन्होंने आगे कहा कि वो काफी समय से राजयोग का अभ्यास कर रहे हैं। योग से उनके अंदर एक अद्भुत परिवर्तन हुआ। जिस कारण जो भी निर्णय लिए उनमें पारदर्शिता और संतुष्टता का अनुभव किया। प्रभाग अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी ने कहा कि न्याय में सत्यता के गुण की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। विवेकपूर्ण निर्णय तभी संभव है जब हम आध्यात्मिक रूप से सशक्त हों। आध्यात्मिकता हमें आंतरिक रूप से मजबूत करती है। जब हम अंतरात्मा की आवाज़ पर निर्णय लेते हैं, तभी भयमुक्त होते हैं। मध्यप्रदेश,उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं संस्थान के न्यायिक प्रभाग के उपाध्यक्ष माननीय बी.डी. राठी ने कहा कि न्यायिक क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। प्रयागराज,उच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस ए.आर. मसूदी ने कहा कि न्याय के तराजू का संतुलन ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान जाति धर्म से ऊपर उठकर मानवता के लिए कार्य कर रहा है। जीवन को सुख-शान्ति सम्पन्न बनाने के लिए राजयोग ज़रूरी है। केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के न्यायिक सदस्य राजवीर सिंह वर्मा ने कहा कि आज तथ्य का न्याय होता है, सत्य का नहीं। इसलिए न्याय के साथ आध्यात्मिक गुणों का समावेश ज़रूरी है। इस अवसर पर न्यायविद प्रभाग द्वारा वैल्यूज़ बेस्ड जस्टिसः द सोल ऑफ लॉ अभियान का भी शुभारम्भ किया गया। ये अभियान राष्ट्रीय स्तर पर 15 मार्च 2026 तक चलेगा। जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे। न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों को आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति जागृत किया जाएगा। ओआरसी के वित्त विभाग के प्रबंधक ब्र.कु. राजेन्द्र ने कार्यक्रम के अंत में सबका आभार व्यक्त किया। न्यायविद प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. नथमल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. लता अग्रवाल,माउंट आबू ने राजयोग के अभ्यास से शान्ति की अनुभूति कराई। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. श्रद्धा एवं ब्र.कु. येशु ने किया। कार्यक्रम में न्यायिक क्षेत्र से जुड़े 450 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की और कार्यक्रम का लाभ लिया।

- **न्यायविदों के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अभियान का शुभारम्भ**
- **न्यायविद प्रभाग द्वारा वैल्यूज़ बेस्ड जस्टिसः द सोल ऑफ लॉ अभियान**
- **ये अभियान राष्ट्रीय स्तर पर 15 मार्च 2026 तक चलेगा**

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामी - आर.ई.आर.एफ., प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नार्सिमवानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शान्तिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org